मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. दलित साहित्य आंदोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10

2. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों की विवेचना कीजिए। 10

3. किसान जीवन में क्रांति लाने हेतु महात्मा फुले द्वारा सुझाए गए महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा कीजिए। 10

4. जाति-प्रथा के उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित कीजिए। 10

5. "वर्णव्यवस्था को प्रेमचंद मार्क्सवादी वर्गचेतना के आलोक में देखते हैं।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

6. निराला जाति-पाँति की निर्मम व्यवस्था पर किस तरह प्रहार करते हैं ? सोदाहरण विवेचना कीजिए। 10

7. श्री नारायण गुरु के धार्मिक बन्धनों से मुक्ति के आन्दोलन की समीक्षा कीजिए। 10

8. पेरियार के आत्म-सम्मान आंदोलन की क्रांतिकारी भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

9. हीरा डोम की 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त चेतना की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) अछूतानंद के समाज सुधार आंदोलन

(ख) नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता

(ग) ज्योतिबा फुले के स्त्री शिक्षा सम्बन्धी योगदान

(घ) दलित आत्मकथाओं का साहित्यिक योगदान

× × × × × × ×